

## भारतीय नौसेना के जहाजों ने समुद्री साझेदारी को मज़बूत किया

**स्रोत: पी.आई.बी.**

**भारतीय नौसेना** के जहाज़ दलिली, शक्ति और कलिटन ने हाल ही में **दक्षिण चीन सागर** में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की पर्याप्त तैनाती के हिससे के रूप में सगिपुर का दौरा किया।

- इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय जुड़ाव और आपसी हतियों और सहयोग पर चर्चा करना, क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर बल देना है।
- मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स द्वारा निर्मित आईएनएस दलिली, भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित निरदेशित मिसाइल वधिवंसक है।
  - 1997 में शामिल किया गया यह सतह, वायु और पानी के नीचे डोमेन पर समुद्री संचालन के सभी पहलुओं पर कार्य करने में सक्षम है।
- INS शक्ति, अपने पूर्ववर्ती INS दीपक बेड़े के टैंकर के साथ, एक इतालवी जहाज़ निर्माण कंपनी फनिकॉटएरी द्वारा निर्मित, अपनी श्रेणी का दूसरा और अंतिम जहाज़ है।
  - यह समुद्र में अन्य नौसैनिक जहाजों को ईंधन, गोला-बारूद और प्रावधानों से भरने में सक्षम है।
- INS कलिटन एक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धक स्टीलथ कार्वेट है जिसे भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है।
  - यह प्रोजेक्ट 28 के तहत निर्मित चार कामोर्टा श्रेणी के कार्वेट में से तीसरा है। इसे भारतीय नौसेना डिज़ाइन निदेशालय द्वारा निर्मित किया गया है और कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित किया गया है।
  - इसका नाम लक्षद्वीप और मनिक्वॉय समूह के एक द्वीप के नाम पर रखा गया है। इसी नाम के पूर्ववर्ती पेट्या श्रेणी के जहाज़ कलिटन (पी79) की वरिष्ठता जारी है, जिसने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

और पढ़ें: [भारतीय नौसेना दलिली 2023](#)